

still that is not satisfactory. There are major five countries which produce cotton in the world and our position is fourth. We are just above America. Otherwise, other countries have a definitely better performance than us. The major reason is that their most of the cotton growing areas are under assured water.

श्री शिवानन्द तिवारी: सभापति महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि हमारे यहां उत्पादन में कमी का मुख्य कारण है रेनफेड पर, बरसात के पानी पर हमारे कॉटन के उत्पादन का निर्भर होना। यह सिर्फ कॉटन का ही मामला नहीं है, हमारी पूरी खेती का यह संकट है कि अधिकांश जगह हम बरसात के पानी पर, प्रकृति के पानी पर ही निर्भर करते हैं। यह तो उसकी मूल समस्या है। हमारा यह कहना है कि कॉटन का जो genetically modified seed है, जिसके बारे में यह दावेदारी रही है कि किसान इसका इस्तेमाल करेंगे, तो productivity में बहुत बड़ा फर्क आएगा, इन्होंने जैसा बताया है, निश्चित रूप से थोड़ा फर्क आया है, लेकिन जब हम चीन के साथ, ब्राजील के साथ, यहां तक कि बगल में पाकिस्तान के साथ तुलना करते हैं, तो उसके मुकाबले हमारे किसानों की जो प्रति हेक्टेयर आमदनी है, वह काफी पिछड़ी हुई दिखाई दे रही है। क्या उसके बारे में सरकार के पास कोई concrete योजना है, वह हम जानना चाहेंगे?

श्री शरद पवार: महोदय, मैंने कहा कि इस देश में पिछले 6-7 सालों में चार Mini Missions अमल किए गए हैं, Mini Missions Nos. I, II, III, and IV और इसका असर हमें फील्ड में दिख रहा है। जब तक हम ठीक तरह से पानी का बन्दोबस्त नहीं करेंगे, तब तक यह उत्पादन जिस तरह से चीन जैसे देशों में मिलता है, उतना अपने देश में नहीं मिलेगा। यह बात सच है कि समूची खेती के बारे में यह समस्या है। आज हिन्दुस्तान में 40 प्रतिशत जमीन under irrigation है। देश की अनाज की जो जरूरत है, इसमें से 60 प्रतिशत अनाज यह 40 प्रतिशत irrigated जमीन पैदा करती है और बाकी जो 60 प्रतिशत जमीन है, जो rain-fed है, उसमें 40 प्रतिशत अनाज पैदा होता है। इसलिए जब तक हम हर स्टेट में irrigation के प्रोजेक्ट्स पर ज्यादा-से-ज्यादा लागत नहीं लगाएंगे, तब तक इसका overall असर हमारे उत्पादन पर नहीं होगा। आज इसका असर हो रहा है। कॉटन के बारे में परिवर्तन हो रहा है कि कॉटन में जो बीटी कॉटन की नई variety आई, इसका क्षेत्र अपने देश में बढ़ रहा है और उत्पादन बढ़ने से इसका असर हमें अच्छी तरह से दिख रहा है।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Injectible polio vaccine

*165. DR. JANARDHAN WAGHMARE:

SHRIMATI SHOBHANA BHARTIA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government plans to introduce an injectible form of polio vaccine (IPVO), along with the oral dosage, in selected districts of U.P. and Bihar to wipe out the virulent strain of polio virus;

(b) if so, the facts and details thereof;

(c) whether some of the foreign based foundations have agreed to provide funds to the Union Government for this purpose; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMDOSS): (a) and (b) India Expert Advisory Group in its meeting held on 10-11 November, 2008, has recommended that plans should be developed for the delivery of a supplementary dose of injectible Polio Vaccine in the highest risk districts of western Uttar Pradesh.

(c) and (d) No proposal has been received in this regard so far.